परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद | श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री एस.के. जैन, भोपाल

आजीवन सदस्य
श्री राजकुमार जैन, मक्सी

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC: SBIN0003134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो फोटोकॉपी के साथ मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।
अत: बायोडाटा शुल्क चेक द्वारा पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/-
फुल पेज (अंदर)	5000/-
1/2 पेज	3000/-
1/4 पेज	1500/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/-
शोक संदेश फोटो सहित	500/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/-

गंजबासौदा में गांधी चौक मंदिर जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर...

गंजबासौदा, शांतिकुमार जैन। दसवें तीर्थंकर भगवान की शीतलनाथ के अनेक कल्याणको से सुशोभित भद्दलपुर (विदिशा) नगरी से 50 कि.मी.दूर गंज बासौदा में 550 वर्ष प्राचीन 1008श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गाँधी चौक के जीर्णोद्धार/पुर्ननिर्माण का कार्य चल रहा है। मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं उनके परम प्रभावक शिष्य 108 मुनिश्री अजितसागरजी महाराज एवं 105 ऐलक श्री विवेकानंदसागरजी महाराज की प्रेरणा से एवं मुनि संघ के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। अभी तक एक मंजिल की छत का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा दूसरी मंजिल एवं मानस्तंभ निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

मंदिरजी में मूलनायक भगवान श्री आदिनाथ जी की अतिप्राचीन, अतिशयकारी मनोग्य प्रतिमा एवं भव्य समवशरण विराजित है। मंदिरजी में सोलहवी, सत्रहवी एवं अठारहवी शताब्दी के 535 हस्तलिखित ग्रंथ संस्कृत, प्राकृत, अर्द्धमगधी, अपभ्रंश व हिन्दी भाषा के ग्रंथ पूर्व में मंदिरजी के आधार तल में सुरक्षित मिले थे। मंदिरजी में उक्त हस्तलिखित ग्रंथ एवं लगभग 1000 अन्य ग्रंथ, शास्त्रों से परिपूर्ण आचार्य श्री ज्ञानसागरजी ग्रंथालय है। ग्रंथालय हेतु भी भवन का निर्माण प्रस्तावित है। मंदिर अध्यक्ष श्री नेमीचंद जैन एडव्होकेट ने बताया कि पूज्य महाराज श्री अजितसागरजी के निर्देशानुसार मंदिर दो मंजिल, तीन गगनचुंबी शिखर एवं मानस्तंभ सहित निर्माण किया जाना है। जिसमें प्रत्येक तल पर तीन वेदियाँ जिनमें भव्यपाषाण की विशाल प्रतिमाये विराजित होनी है। जिसमें प्रत्येक तल पर तीन वेदियाँ जिनमे भव्य पाषाण की विशाल प्रतिमाये विराजित होनी है। मूलनायक भगवान की पद्मासन करीब 8 फीट ऊंची प्रतिमा होगी एवं मानस्तंभ की ऊंचाई लगभग 41 फीट होगी जिसमें 8 श्रीजी विराजित होंगे। मंदिर अध्यक्ष श्री जैन ने सभी धर्मानुरागी बंधुओं से मंदिर निर्माण में तन मन धन से सहयोग एवं वेदी, प्रतिमा के पुण्यार्जक बनने हेतु विनम्र अपील की। मंदिर निर्माण से संबंधित जानकारी हेतु मंदिर अध्यक्ष श्री नेमीचंद एडवोकेट मो. 9425150286, कार्याध्यक्ष श्री शांतिकुमार जैन, स्टोन सप्लायर मो. 9425149105 एवं महामंत्री श्री सिद्धार्थ कुमार भुजंग मो. 9893779177 से संपर्क किया जा सकता है एवं दानदाता अपनी राशि मंदिर के खाता श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खाता क्रं. 33841016055 भारतीय स्टेट बैंक शाखा गंजबासौदा में भी जमा कर मंदिर निर्माण में सहयोग कर पुण्यानुबंधी पुण्य अर्जन करें।

शिखरजी ड्रीम्स में भूमि शुद्धि एवं शिलान्यास सानंद संपन्न।

इन्दौर, रेशू जैन। परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के परम आशीर्वाद से एवं ऐलक श्री नि:शंकसागरजी महाराज की पावन प्रेरणा से विजयनगर चौराहा से मात्र 5.50 कि.मी. दूर ग्राम अरन्डया में आकार ले रही है, खूबसूरत कालोनी ''शिखरजी ड्रीम्स'' 13 एकड़ की इस आवासीय कालोनी में 1008 श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर का भव्य भूमि पूजन, भूमि शुद्धि एवं शिलान्यास कार्यक्रम इन्दौर गौरव पं. श्री रतनलालजी शास्त्री के निर्देशन में ब्र. अनिल भैयाजी के मार्गदर्शन में विधानाचार्य ब्र. अभय भैयाजी ने श्री अशोक गंगवाल एवं श्री नरेन्द्र बन्ना के द्वारा सानंद संपन्न कराया।

4000 फीट में निर्मित होने वाले 51 फीट ऊंचे जिनालय में मूल नायक 1008 श्री पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा शिखरजी ड्रीम्स के डायरेक्टर श्री निशांत स्व. श्री नरेन्द्रकुमार जैन 'सायकलवालों' की ओर से विराजमान की जायेगी। जिनालय में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान, श्री पदमप्रभु भगवान, श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान एवं श्री महावीर स्वामी की प्रतिभा भी विराजमान की जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिल जैन 'जैनको', गोलालारीय समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, उद्योगपति सचिन जैन, विजय नगर जैन मंदिर अध्यक्ष सुगनचंद जैन, स्कीम नं. 78 मंदिर अध्यक्ष दिनेशकुमार जैन, श्री फूलचंदजी, श्री महेन्द्रकुमार सायकलवाले के

आतिथ्य में श्री दिलीप एवं चन्द्रेश जैन के संचालन में पूजा विधि कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

शिखरजी ड्रीम्स के डायरेक्टर श्री निशांत जैन ने इस अवसर पर बताया कि 13 एकड़ की आवासीय परिसर में रो–हाउस के साथ सर्वसुविधायुक्त बहुमंजिला भवन में सभी साइज में फ्लेट उपलब्ध है। मंदिरजी निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करा लिया जावेगा व समाजजनों द्वारा कराई जाने वाली बुकिंग पर आकर्षक विशेष छूट प्रदान की जा रही है।

विवाह की 50वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री सुरेशकुमार–कांतीदेवी जैन

दिनांक 20.05.2014

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन न्यास के वरिष्ठ सदस्य एवं सहसचिव को उनकी 50वीं विवाह वर्षगांठ पर उनके परिवार एवं गोलालारीय न्यास व दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

अहमदाबाद में जैन भवन का भव्य शिलान्यास संपन्न

अहमदाबाद, श्रेयांस धर्मसैया। श्री 1008 संभवनाथ दि. जैन मंदिर परिसर में 'जैन भवन' का भूमि पूजन एवं भव्य शिलान्यास महोत्सव बालयोगी श्री जयसागरजी महाराज के सानिध्य में दि. 27.2.14 को श्री ऋषभकुमार शास्त्री, नागपुर के निर्देशन में समस्त जैन समाज की उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ। 'जैन भवन' का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। समाजजनों से आग्रह है कि तन, मन, धन से सहयोग प्रदान करे।